नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

कवि विष्णु खरे के निधन पर हिंदी विवि ने दी श्रद्धांजलि

वर्धा, 20 सितंबर 2018: प्रख्यात कवि, पत्रकार एवं हिंदी अकादमी के उपाध्यक्ष विष्णु खरे के निधन पर उन्हें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन में आयोजित शोक सभा में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा एवं कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के.के. सिंह सहित अध्यापक, कर्मी एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में श्री खरे जी के जीवन एवं कार्यों

का परिचय दिया गया तथा शोक प्रस्ताव पढ़ा गया एवं दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी।

विष्णु खरे अपनी कृतियों से साहित्य व पत्रकारिता जगत में अमिट छाप छोड़ गए। 9 फरवरी 1940 को मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में जन्मे खरे ने इंदौर के क्रिश्चियन कॉलेज से अंग्रेजी में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने हिंदी पत्रकारिता में कदम रखा था। उन्होंने इसी साल 30 जून को हिंदी अकादमी का उपाध्यक्ष पद संभाला था। खरे ने विश्व के प्रसिद्ध कवियों और लेखकों की रचनाओं का हिंदी में अनुवाद किया था तथा उनकी ख्याति एक प्रमुख फिल्म समीक्षक के रूप में भी थी। खरे ने मशहूर ब्रिटिश कवि टीएस इलियट की कविताओं का हिंदी अनुवाद भी किया जो मरू प्रदेश और कविताएं नाम से प्रकाशित हुआ। उनका पहला काव्यसंग्रह 'एक और रूमानी समय' था। वह दिल्ली विश्वविद्यालय के मोती लाल नेहरू कॉलेज में अंग्रेजी के प्रोफेसर रहे। साहित्य अकादमी में उपसचिव भी रहे।